sold; auction will be held in due course.]

ग्रामीण जीवन बीमा योजना

१५३. श्री भागवत नारायण भार्गव : क्या वित्त मंत्री २८ मार्च, १९६२ को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या १४१ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या कारण है कि जब २६ दिसम्बर, १९६० से ग्रामीण जीवन बीमा योजना को पंचायतों द्वारा चलाने के विषय में राज्य सरकारों से परामर्श हो रहा है तो भी अब तक राजस्थान को छोड़ कर अन्य किसी राज्य में इसे आरम्भ नहीं किया गया है ?

t [RURAL LIFE INSURANCE SCHEME

153. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to the answer given to Un-starred Question No. 141 in the Rajya Sabha on the 28th March, 1962 and state the reasons for which Rural Life Insurance Scheme through Pan-chayats has not been started in any other State except Rajasthan although consultations with the State Governments relating to this matter have been going on since 26th December, I960?]

वित्त मंत्री (श्री मोरारजी आर० देसाई): अधिकतर राज्यों ने पंचायतों द्वारा चलायी जाने वाली ग्रामीण जीवन बीमा योजना को सिद्धान्त रूप में स्वीकार कर लिया है। लेकिन इस योजना की तफसीली बातों पर अभी भी विचार हो रहा है जिसका खास कारण यह है कि पंचायतें स्थापित करने का कानून कुछ राज्यों में या तो अभी अभी बना है या बन रहा है। जब तक पंचायतें और पंचायत समितियां काम करना शुरू न करें तब तक ज्यादा प्रगति करना कठिन है। फिर भी, जीवन बीमा निगम इस मामले को आगे बढ़ाने के लिये राज्य सरकारों से लिखापढ़ी कर रहा है और इस योजना को जहां तक सम्भव होगा जल्दी से जल्दी अमल में लाने के लिये भरसक प्रयत्न करेगा।

t[THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI R. DESAI): The Rural Life Insurance Scheme through Pan-chayats has been accepted in principle by most of the States. However, discussion on the detailed working of the Scheme is still in progress mainly be-cause legislation to set up Panchayats has just been passed or is on the anvil in some States. It is difficult to make much progress until the Panchayats and Panchayat Samitis have started functioning. The Life Insurance Cor-poration is, however, actively persuing the matter with the State Governments and will do its best to implement the Scheme as soon as possible.]

दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा के माध्यम के रूप में हिन्दी

१५४. श्री भागवत नारायण भार्गव : क्या शिक्षा मंत्री १३ मार्च, १९६२ को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या ६ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय ने शिक्षा व परीक्षा के माध्यम के रूप में हिन्दी के क्रमिक प्रयोग के लिये अक्तूबर, १९५५ में जो योजना बनाई थी उसे वह कब तक कार्यान्वित कर सकेगा ; और

(ख) क्या सरकार ने इस विषय में विश्वविद्यालय से कोई अनुरोध किया है ?

f[J English tryislatipn.

t [HINDI AS MEDIUM OF INSTRUCTION IN DELHI UNIVERSITY

154. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to refer to answer given to Unstarred Question No. 6 in the Rajya Sabha on the 13th March, 1962 and state:

(a) by when the University of Delhi is likely to implement the scheme for gradual introduction of Hindi as medium of instruction and examination which was drawn up by the University in October, 1955; and

(b) whether Government have made any request to the University in this connection']

शिक्षा मंत्री (डा० कालू लाल श्रीमाली : (क) शिक्षा श्रौर परीक्षा के माध्यम के रूप में हिन्दी ग्रारम्भ करने की दिशा में प्रारंभिक कार्रवाई के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने श्रपनी शैक्षणिक परिषद से प्रस्ताव किया है कि उन कालेजों को जो हिन्दी माध्यम का प्रयोग करना चाहें, श्रगले शैक्षणिक वर्ष (१९६२-६३) से बी० ए० (पास) स्तर में इतिहास, श्रर्थशास्त्र श्रौर राजनीति विज्ञान में हिन्दी के प्रयोग की श्रनुमति दे दी जाए। इन कालेजों में ये विषय श्रंग्रेजी माध्यम के द्वारा पढ़ाये जाने की भी व्यवस्था होगी।

(ख) जी, नहीं। दिल्ली विश्वविद्यालय ने श्रपना उपर्युक्त प्रस्ताव विश्वविद्यालय श्रनुदान श्रायोग को विचारार्थ भेजा है।

•HTHE MINISTER OF EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) As a first step towards the change over to the introduction of Hindi as medium of instruction and examination, the University of Delhi has moved its Academic Council to permit the Colleges, which wish to do so, to use Hindi as the medium of instruction at the B.A. (Pass) level in History, Economics and Political Science from the next academic year (1962-63). These Colleges will have provision for teaching these subjects in English also.

(b) No, Sir. The Delhi Univer ity has, however, referred the above proposal to the University Grants Commission for consideration.]

t[ ] English translation.

COLLECTIONS OF INCOME-TAX

155. SHRI NIRANJAN SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state the collections of Income-tax in the cities of Bombay, Calcutta, Madras, Delhi, New Delhi, Kanpur, Ahamedabad, Madura, Nagpur and Cuttack, for the last three years?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI R. DESAI) : The information is being collected and will be laid on the Table of the House as early as possible.

राजभाषा (विधायी) श्रायोग

१५६. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या विधि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि राज भाषा (विधायी) श्रायोग ने श्रब तक क्या क्या काम कर लिया है श्रौर इस समय यह क्या क्या कर रहा है ?

OFFICIAL LANGUAGE (LEGISLATIVE) COMMISSION

156. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of LAW be pleased to state the work which has so far been done by the Official Language (Legislative) Commission and what work is being done by it at present?]

विधि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री श्रार० एम० हजरनवीस) : राजभाषा (विधायी श्रायोग ने भारतीय दंड संहिता के प्रथम प्रारूप को तथा उस संहिता में पाई जाने वाली विधि सम्बन्धी परिभाषाश्रों की शब्दावली को